CBSE Class 09
Hindi B
Sample Paper 7 (2019-20)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉंच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
   हाल में ही ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के न्यूरो साइंस प्रोफेसर फोस्टर के नेतृत्व वाले 3 सदस्यीय दल के स्कूली बच्चों पर किए गए शोध से कई दिलचस्प नतीजे सामने आए, जिसमें उन्होंने पाया कि जो छात्र परीक्षा वाले दिनों में सामान्य से ज्यादा सोए, उनके परिणाम अन्य से बेहतर रहे।
   शोधकर्ताओं का कहना है कि किशोरों में सामान्य प्रवृत्ति यह रहती है कि परीक्षा के दौरान वे देर से सोते हैं और देर से ही उठते हैं। सामान्यतः सुबह 10 बजे से पहले वे पूरी तरह से चैतन्य नहीं हो पाते हैं। छात्र पहले दोपहर के बाद पूरी तरह से सजग होते हैं और सबसे कठिन पाठों को इसी समय पढ़ना चाहिए। यह प्रक्रिया छात्रों में 21 साल की उम्र तक कायम रहती है।
   जागने की भी एक क्षमता होती है, लेकिन जब सिर पर पढ़ाई का भूत सवार रहता है तो जागते रहने के लिए या तो छात्र बार-बार चाय-कॉफी का सेवन करते हैं या फिर उठ कर टहलते हैं अथवा बार-बार मुँह धोते रहते हैं। इन सबका असर न होने पर वे जागते रहने हेतु नींद न आने की गोली आदि का सेवन भी करते हैं। इससे उनकी नींद भले ही कुछ समय के लिए गायब हो जाए, लेकिन इसका सेहत पर बुरा असर पड़ता है। रात भर जागने वाले परीक्षार्थी जब सुबह परीक्षा देने जाते हैं तो उन्हें झपकी आने लगती है, जिस पर उनका कोई वश नहीं होता है। ऐसे में रातभर जो कुछ उन्होंने पढ़ा वह सब भूल जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मस्तिष्क की कार्यक्षमता घट जाती है। आखिरकार उसे भी तो आराम चाहिए जो नींद से ही मिल सकता है। परीक्षा के दौरान रातभर जागने से परीक्षार्थी के पाचन तन्त्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रकृति ने रात सोने के लिए बनायी है और दिन कार्य करने के लिए। अब यदि प्रकृति के नियम के विरुद्ध कार्य करेंगे तो उसका परिणाम तो भुगतना ही पड़ेगा।

i. न्यूरो साइंस प्रोफेसर के नेतृत्व में किए जाने वाले शोधकार्य के क्या परिणाम निकले, यह कार्य किस पर किया गया था? (2)
ii. जागते रहने के लिए छात्र किन तरीकों को अपनाते हैं? (2)
iii. रातभर जागकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)
iv. प्रस्तुत पद्यांश के द्वारा लेखक हमें क्या संदेश देना चाहता है? (2)
v. प्रकृति द्वारा मानव के लिए किस नियम की बात गद्यांश में की गयी है? (1)
vi. परीक्षा के समय कम सोना चाहिए या अधिक? (1)

Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

i. संतुलन
ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

i. पन्क
ii. पण्डित
iii. महिलाए
iv. सास

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
गिरफ्तार, रोज

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द को अलग-अलग कीजिए-

i. आर्थिक
ii. अकेलापन
iii. आरोही

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
   i. स्व + इच्छा
   ii. पूर्व + उक्त

   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
   i. तथैव

ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

   i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
   iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. भगवाना का मुँह-अँधेरे खरबूजे तोड़ना किस तरह जानलेवा साबित हुआ?

   b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

   c. काम में रात और दिन के बीच महादेव के लिए शायद ही कोई फर्क रहा हो-कथन के आलोक में उनकी व्यस्त जीवन शैली पर शुक्र तारे के समान पाठ के आलोक में प्रकाश डालिए।

   d. कीचड़ की सुन्दरता का वर्णन कीजिए। 'कीचड़ का काव्य' पाठ के आधार पर लिखिए।

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. कवि रहीम ने मूल को सींचने की सीख किस संदर्भ में दी है और क्यों?

    b. आदमीनामा कविता में आदमी का आदमी पर चिल्लाना क्या दर्शाता है?

    c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता की क्या दशा हुई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

    d. कवि को क्या उम्मीद है? नए इलाके में कविता के आधार पर लिखिए।

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

OR

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. गिल्लू लेखिका से बहुत प्रेम करता था। स्पष्ट कीजिए।

b. मालाबार में हिन्दू-मुसलमानों के पारस्परिक सम्बन्धों के बारे में 'हामिद खाँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

c. रघुनाथ काका कौन थे? उन्हें लोगों ने निषादराज क्यों कहना शुरू कर दिया? 'दिए जल उठे' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

Section D

13. **कम्प्यूटर : आज के युग की जरूरत** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

ट्रैफिक जाम में फंसा मैं विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार उपाय

14. आपकी सखी को माता जी की अचानक मृत्यु की सूचना मिली है; इस विषय में उसको सांत्वना पत्र लिखिए।

OR

अपनी दीदी व जीजा जी को विवाह की दसवीं वर्षगाँठ पर बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

OR

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. आपको राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक अटैची मिली है। उसके मालिक तक पहुंचाने के लिए 25-50 शब्दो में एक विज्ञापन तैयार कीजिये।

CBSE Class 09

Hindi B

Sample Paper 7 (2019-20)

Solution

Section A

1. i. स्कूली बच्चों पर किये जाने वाले शोध कार्य के ये परिणाम निकले कि जो छात्र परीक्षा वाले दिनों में सामान्य से ज्यादा सोए, उनके परिणाम अन्य से बेहतर रहे।
   ii. जागते रहने के लिए छात्र चाय-कॉफ़ी का सेवन करते हैं, टहलते हैं, बार-बार मुँह धोते हैं और जब इन सबसे भी प्रभाव नहीं पड़ता है तो वे नींद न आने की गोलियाँ खाते हैं।
   iii. रातभर जागकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उनके मस्तिष्क की कार्य क्षमता घट जाती है। उनका पाचन तन्त्र भी प्रभावित होता है। साथ ही रातभर जागने के कारण परीक्षा केन्द्र में उन्हें झपकी आने लगती हैं, जिस पर उनका कोई प्रभाव नहीं होता है।
   iv. लेखक हमें सभी कार्य समय पर करने में प्रकृति के नियमों का पालन करने का सन्देश देना चाहता है।
   v. प्रकृति ने रात सोने के लिए बनायी है और दिन कार्य करने के लिए बनाया है।
   vi. इस शोध के अनुसार परीक्षा के समय अधिक सोना चाहिए।

Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. पंक
   ii. पंडित
   iii. महिलाएँ
   iv. साँस

4. गिरफ़्तार, रोज़

5. i. अर्थ + इक
   ii. अकेला + पन
   iii. आरोह + ई
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।

ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, ‘होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. भगवाना अपने खेत में मुँह-अँधेरे ही पके खरबूजे तोड़ने चला गया। वहाँ गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए साँप पर उसका पैर पड़ गया, जिसे वह हल्का अँधेरा होने के कारण देख न सका था। साँप के डसने से उसकी मृत्यु हो गई। इस तरह मुँह अँधेरे खरबूजे तोड़ना उसके लिए जानलेवा सिद्ध हुआ।

b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

c. महादेव भाई समाचार-पत्र, मासिक-पत्र और पुस्तकें पढ़ते तथा ‘यंग इंडिया’ और ‘नवजीवन’ के लिए लेख लिखते। वे गांधी जी के साथ लगातार चलने वाली यात्राएँ करते। वे हर स्टेशन पर उपस्थित जनता का विशाल समुदाय, जगह-जगह आयोजित सभाएँ, लोगों से मुलाकातें, बैठकें और बातचीत करते। इनके बीच वे अपने लिए भी मुश्किल से समय निकाल पाते। इस प्रकार काम में उनके लिए दिन-रात बराबर था।

d. नदी के किनारे कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं। टेढ़े होने पर सुखाए हुए खोपरे जैसी नदी होती है। नदी किनारे मीलों तक एक-सा फैला हुआ चिकना कीचड़, सूख जाने पर बगुले व अन्य पक्षियों के पद चिह्न उस पर अंकित हो जाते हैं।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

OR

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. कवि रहीम ने मनुष्य को यह सीख दी है कि वह तना, पत्तियाँ, शाखा, फूल आदि को पानी देने के बजाय पौधे की जड़ों को ही पानी दे। इससे पौधा खूब फलता-फूलता है। यह सीख कवि ने एक बार में एक ही काम पर मन लगाकर परिश्रम करने के संदर्भ में दी है।

   b. मुसीबत में पड़ने एक आदमी दूसरे आदमी को मदद के लिये चिल्लाकर पुकारता है तथा मदद के आगे आने वाला भी आदमी ही होता है।

   c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता को चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखाई देने लगा। अपनी पुत्री की अन्तिम इच्छा पूरी न कर पाने के कारण उसका मन घोर निराशा से भर जाता है। क्योंकि वह सामाजिक स्थितियों को जानता था।

   d. कवि को यह उम्मीद है कि कोई-न-कोई पूर्व परिचित व्यक्ति उसे अवश्य पहचान लेगा और उसे आवाज देकर बुलायेगा अर्थात इस परिर्वतनशील समय में भी कुछ-न-कुछ अवश्य बचा रह गया है।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

OR

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

   a. गिल्लू वास्तव में एक अत्यधिक संवेदनशील प्राणी था और उसे महादेवी से गहरा लगाव था। पाठ के अंतर्गत इसके कई प्रमाण विद्यमान हैं।

      i. जब भी लेखिका अपना कमरा खोलकर अंदर घुसती थीं, तो गिल्लू उनके शरीर पर ऊपर से नीचे झूलने लगता था, लेकिन यदि कोई अन्य व्यक्ति अंदर आता तो वह ऐसा नहीं करता था।
      ii. गर्मियों के दिनों में वह लेखिका के पास रहने के लालच में उनके पास रखी सुराही के साथ चिपका रहता था।

iii. गिल्लू ने लेखिका के अस्वस्थ रहने के दौरान एक परिचारिका की तरह उपचार में अपनी ओर से यथासंभव भूमिका निभाई।
iv. लेखिका की अस्वस्थ स्थिति में अस्पताल में रहने के दौरान गिल्लू ने अपना मनपसंद भोजन काजू खाना कम कर दिया।
v. अपने अंतिम समय में गिल्लू ने लेखिका की उंगली पकड़ ली।

b. मालाबार में हिन्दू-मुसलमान प्रेम से रहते हैं। यदि किसी को बढ़िया चाय पीनी हो, या बढ़िया पुलाव खाना हो तो लोग बेखटके मुसलमानी होटल में जाया करते हैं। यहाँ सब मिल-जुलकर रहते हैं। मुसलमानों ने भारत में जिस पहली मस्जिद का निर्माण किया, वह मालाबार के कोइँगल्लूर में है। यहाँ दंगे भी न के बराबर होते हैं। यहाँ आपसी समझ व सद्भावना है।

c. रघुनाथ काका बदलपुर के रहने वाले थे। उनके पास काफी जमीन थी और उनकी नावें भी चलती थीं । गाँधी जी को महि सागर नदी पार कराने की जिम्मेदारी रघुनाथ काका को सौंपी गई थी। उन्होंने इस कार्य के लिए नई नावे खरीदी और लेकर कनकपुर पहुँच गए। जिस प्रकार श्रीराम को निषादराज ने गंगा पार कराई थी, उसी प्रकार रघुनाथ काका ने गाँधी जी को महि सागर नदी पार कराई थी। इसलिए सत्याग्रहियों ने उन्हें निषादराज कहना शुरू कर दिया।

Section D

13. वर्तमान युग कम्प्यूटर का युग है। आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाईअड्डे, डाकखाने, बड़े-बड़े उद्योग, कारखाने, व्यवसाय, हिसाब-किताब, रुपये गिनने की मशीनें तक कम्प्यूटरीकृत हो गई हैं। आने वाला समय इनके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है। आज मनुष्य-जीवन जटिल हो गया है। व्यक्ति के सम्पर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं; गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं। परिणामस्वरूप सब जगह भागदौड़ और आपाधापी चल रही है। इस 'पागल गति' को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है। कम्प्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है, जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक-भूमिका हो, या लाखों-करोड़ों-अरबों की लम्बी-लम्बी गणनाएँ, कम्प्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। कम्प्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म, घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध हो जाती है। एक समय था, जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुम्ब बना दिया है। कम्प्यूटर ने तो मानो उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। इस प्रकार कम्प्यूटर ने मानव-जीवन को सुविधा, सरलता सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है।

OR

ट्रैफिक की समस्या का आधार- विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।

लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।

सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

14. 276 कैलाशपुरी,
दिल्ली
दिनांक.......

प्रिय गायत्री,

आज ही तुम्हारे पत्र से मालूम हुआ कि तुम्हारी पूज्य माता जी का स्वर्गवास हो गया है। मेरा मन शोक से व्याकुल हो गया। मुझे अब भी वे दिन याद हैं, जब हम दोनों के परिवार दिल्ली में पास-पास रहते थे। एक ही गली में रहने के कारण हर समय का साथ था। तुम्हारी माताजी मुझे पुत्र के समान मानती थी। मैं जब पिछले वर्ष उनसे मिला था तो वे काफी दुबली हो गई थी और आँखों से साफ देख भी नहीं पाती थीं। उनकी आत्मा उस दुबली देह में कष्ट का अनुभव कर रही थी। प्रत्येक शरीर अन्त में समाप्त होता है। ईश्वर के इस नियम पर किसी का वश नहीं चलता। इस दुखद अवसर पर मैं स्वयं उपस्थित होना चाहता था, किन्तु कई दिन से बीमार चल रहा हूँ। डॉक्टर ने दस दिन के लिए पूर्ण विश्राम की सलाह दी है। ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ कि माताजी की आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। स्वस्थ होकर मैं शीघ्र ही तुमसे मिलने आऊँगा।

शोकाकुल हृदय,
पवन

OR

परीक्षा भवन,
दिल्ली
दिनांक- 05-03-2019

आदरणीय जीजाजी एवं प्रिय दीदी,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी सपरिवार कुशल से होंगे। दिनांक 06 अगस्त को आप दोनों के विवाह की दसवीं वर्षगाँठ है। कृपया इस अवसर पर मेरी बधाई स्वीकार करें। मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ कि आपका जीवन खुशियों से भरा-पूरा एवं स्वस्थ सम्पन्न रहे।

प्रिय रिंकू और मनु को मेरा हार्दिक स्नेह देना। जीजाजी आप से तथा बच्चों से मिलने को बहुत मन हम सबका कर रहा है। कृपया समय निकालकर दीदी को साथ लेकर एक-दो दिन के लिए आ जाएँ। मम्मी-पापा भी आप सबसे मिलकर अति

प्रसन्न होंगे।

आशा है आप आने का कार्यक्रम अवश्य बनाएँगे। परिवार में सभी बड़ों को प्रणाम एवं छोटों को स्नेह दें।

आपका छोटा भाई,

गोविन्द सिंह संधू

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।
    ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
    iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
    iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
    v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
    vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

OR

i. यह गाँव का दृश्य है।
ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
v. गाँव के लोग भी ‘छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।

गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?

शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।

गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।

शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?

गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।

शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।

दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।

पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर

पानी प्रदूषित कर रहे हैं।

दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।

दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

आवश्यक सूचना

दिल्ली जाने वाली **मंसूरी एक्सप्रेस** दिनांक 17.1.19 के सभी यात्रियों को सूचित किया जाता है कि यात्रा के दौरान एक अटैची मुझे मिली है। जिस सज्जन की हो पहचान बताकर ले जाएँ।

कृपया पहचान-पत्र और FIR की कॉपी लेकर आएँ। पुलिस जाँच के बाद ही सामान सौंपा जाएगा।

पता : गोविन्द सिंह, 75/5 कोठद्वारा, उत्तराखंड

दूरभाष: - 922856XXXX